तर्ज--खुश रहे तू सदा ये दुआ है मेरी

शेर: 'तेरी वाणी ने इतना उजाला किया,
चौदह लोको में जो न समाये पिया'।

अर्श वाले पिया प्राणनाथ मेरे,
तुम ही तुम हो सदा साथ मेरे

1-- आपको देखकर हमको ऐसा लगा
अपना अर्शे अजीम का नाता जगा
मेहर की छांव मे दिन रात मेरे

2--आपने तो धनी ऐसी धनवट करी
आके इलम ईलाही की फजर करी
अर्शे सुर मे सजे नगमात मेरे

3--चरणों से आपके ही तो निसबत मेरी
आपसे ही पिया जी है वाहेदत मेरी
सुख निधान सदा श्री राज मेरे

Nijanand App